✺ 26 अप्रैल 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] मीठे बच्चे, कभी भी आपस में संसारी झरमुई झगमुई की बातें नहीं करो। कोई सुनाता है तो सुनी-अनसुनी कर दो। अच्छे बच्चे अपनी सर्विस की ड्युटी पूरी कर बाबा की याद में मस्त रहते हैं।

2] बाप कहते हैं मैं भी शान्त स्वरूप हूँ। यह तो बहुत सहज है परन्तु माया की लड़ाई होने के कारण थोड़ी डिफीकल्टी होती है। यह सब बच्चे जानते हैं कि सिवाए बेहद के बाप के यह ज्ञान कोई दे न सकें। ज्ञान सागर एक ही बाप है। देहधारियों को ज्ञान का सागर कभी नहीं कहा जा सकता। रचयिता ही रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान देते हैं। वह तुम बच्चों को मिल रहा है। कई अच्छे अनन्य बच्चे भी भूल जाते हैं क्योंकि बाप की याद पारे मिसल है।

3] सिवाए बाप के और कोई बता न सके। पतित-पावन वह बाप ही है। समझाने में भी बड़ी मेहनत लगती है। बाप खुद कहते हैं कोटों में कोई समझेंगे। यह चक्र भी समझाया गया है।

4] यहाँ तुम बच्चे आते हो रिफ्रेश होने के लिए, न कि हवा खाने के लिए। कोई पत्थरबुद्धि को ले आते हैं, तो वह दुनियावी वायब्रेशन में रहते हैं। अभी तुम बच्चे बाप की श्रीमत से माया पर विजय प्राप्त करते हो। माया घड़ी-घड़ी तुम्हारी बुद्धि को भगा देती है। यहाँ तो बाबा कशिश करते हैं। बाबा कभी भी कोई उल्टी बात नहीं करेंगे। बाप तो सत्य है ना। तुम यहाँ सत् के संग में बैठे हो। दूसरे सब असत् संग में हैं। उनको सत्संग कहना भी बड़ी भूल है। तुम जानते हो सत् एक ही बाप है।

5] बाप समझाते हैं– आत्माओं में ही संस्कार भर जाते हैं। आत्मा निर्लेप नहीं है। निर्लेप होती तो पतित क्यों बनती ! जरूर लेप-छेप लगता है तब तो पतित बनती है। कहते भी हैं भ्रष्टाचारी। देवतायें हैं श्रेष्ठाचारी। उन्हों की महिमा गाते हैं आप सर्वगुण सम्पन्न हो, हम नींच पापी हैं इसलिए अपने को देवता कह नहीं सकते हैं। अब बाप बैठ मनुष्यों को देवता बनाते है।

Proof

✺ योग-

1] -----

✺ धारणा-

1] सर्विस की ड्युटी पूरी कर फिर अपनी मस्ती में रहना है। व्यर्थ की बातें सुननी वा सुनानी नहीं है। एक बाप के महावाक्य ही स्मृति में रखने हैं। उन्हें भूलना नहीं है।

2] जो सच्चे राजयोगी हैं वह कभी किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं हो सकते। ते अपने को समय प्रमाण इसी रिति से चेक करो और चेक करने के बाद चेंज कर लो। सिर्फ चेक करेंगे तो दिलशिकस्त हो जायेंगे। सोचेंगे कि हमारे में यह भी कमी है, पता नहीं ठीक होगा या नहीं इसलिए चेक करो और चेंज करो क्योंकि समय प्रमाण कर्तव्य करने वालों की सदा विजय होती है इसलिए सदा विजयी श्रेष्ठ आत्मा बन तीव्र पुरुषार्थ द्वारा नम्बरवन में आ जाओ।

3] मन-बुद्धि को कन्ट्रोल करने का अभ्यास हो तब सेकण्ड में विदेही बन सकेंगे।

✺ सेवा-

1] -----